मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 46 ■ शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

डोंबिवली में बंद रहे बाजार एवं कार्यालय, सड़कें सुनसान रहीं

■ **ऑटो-रिक्शा, बसें और निजी वाहन सड़कों से नदारद रहे**

कल्याण. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के डोंबिवली शहर में व्यावसायिक प्रतिष्ठान एवं बाजार बंद रहे और सड़कें सुनसान रहीं।

डोंबिवली के रहने वाले रिश्ते के तीन भाई संजय लेले (50), हेमंत जोशी (45) और अतुल मोने (43) मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए 26 लोगों में शामिल थे।

इस हमले के विरोध में बंद के कारण शहर की वे सड़कें बृहस्पतिवार को सुनसान दिखीं जिन पर आम तौर पर भारी यातायात रहता है। अधिकतर ऑटो-रिक्शा, बसें और निजी वाहन सड़कों से नदारद रहे तथा ज्यादातर व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी बंद रहे।

शहर की कुछ गलियों और सड़कों के कोनों पर लोगों के छोटे-छोटे समूह पहलगाम हमले पर बातचीत करते नजर आए।

आतंकवादी हमले के विरोध में तथा पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए बुधवार दोपहर से ही विभिन्न दुकानें, कार्यालय तथा स्थानीय बाजार बंद होने लगे। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों तथा नागरिक समूहों द्वारा समर्थित इस बंद का जनता ने स्वेच्छा से पालन किया। एक स्थानीय निवासी ने कहा, ''इस आतंकवादी हमले के लिए जो लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि फिर से ऐसे हमले नहीं हों।'' ठाणे पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि बंद अब तक शांतिपूर्ण रहा है। हमले में मारे गए डोंबिवली के निवासियों के बुधवार शाम को हुए अंतिम संस्कार में हजारों लोग शामिल हुए।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए भागशाला मैदान पहुंचे। इस दौरान उनके साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता रवींद्र चव्हाण और शिवसेना के स्थानीय सांसद श्रीकांत शिंदे भी मौजूद थे।

फडणवीस द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किए जाने के दौरान पाकिस्तान के विरोध में नारे लगाए गए और कई लोगों ने सभी पाकिस्तानी उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की।

प्रदूषण से दम तोड़ रही उल्हास नदी

ठाणे जिले के कई गांवों और कस्बों को पानी की आपूर्ति करने वाली उल्हास नदी प्रदूषण से दम तोड़ रही है। नदी बचाव अभियान से लेकर कार्ययोजना तक, नदी स्वच्छता के लिए कई अभियान चलाए गए हैं। सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बढ़ते शहरीकरण, उससे निकलने वाले सीवेज, रासायनिक कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट रसायन तथा मिट्टी और कचरे के जमाव के कारण प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है. परिणामस्वरूप, ठाणे की जीवनदायिनी, जो प्रतिदिन जिले के 50 लाख नागरिकों की प्यास बुझाती है और कई सहायक नदियों का स्रोत है, खतरे में है। अगर यही स्थिति रही तो उल्हास नदी को मुंबई के मीठी नदी की हालत तक पहुंचने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

उल्हास नदी को ठाणे जिले की जीवन रेखा माना जाता है। जिले के महत्वपूर्ण शहरों और नदी किनारे के 35 से 40 गांवों को इस नदी से पीने का पानी मिलता है, लेकिन वर्तमान में इस नदी की स्थिति दयनीय हो गई है। गांवों का सीवेज, आस-पास की फैक्ट्रियों का सीवेज, गंदगी, कचरा, मल, प्लास्टिक, प्लास्टर ऑफ पेरिस, ये सब उल्हास नदी में मिल रहा है। इससे नदी के पानी की गंध और स्वाद भी बदल गया है। पिछले कुछ वर्षों में शहरीकरण, विकास नीतियों और पलायन के कारण उल्हास नदी का पानी प्रदूषित हो गया है। इससे उल्हास नदी पर निर्भर नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ गया है। बढ़ते जल प्रदूषण के कारण उल्हास नदी के कई स्थानों पर जलभराव हो गया है।

उल्हासनगर में नाले में तब्दील

उल्हासनगर रेलवे स्टेशन से पश्चिमी भाग की ओर जाते समय पुल पार करते समय नाक पर रुमाल रखना पड़ता है, क्योंकि पुल के नीचे बहने वाले नाले की दुर्गंध पूरे क्षेत्र में फैल जाती है। हालाँकि, जब किसी को यह पता चलता है कि यह कोई नाला नहीं बल्कि उल्हास नदी है, तो उसे एहसास होता है कि जलाशय की इस समृद्धि के विनाश के लिए वह ही जिम्मेदार है।

■ प्रदूषण नियंत्रण निगम की लापरवाही

- उल्हास नदी का प्रदूषण शेलू और वांगनी क्षेत्रों से स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम की बड़ी कंपनियां उल्हास नदी बेसिन के बाहर काम कर रही हैं, जो बदलापुर शहर के जुवेली, मानकिवली, खरवई और शिरगांव क्षेत्रों से होकर बहती है। बदलापुर में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण महामंडल की लापरवाही के कारण उन कंपनियों का रासायनिक पानी रात में, सुबह-सुबह, दोपहर में या कभी-कभी पूरे दिन बिना किसी रासायनिक उपचार के सीधे नाले में बहा दिया जाता है। यह धारा उल्हास नदी में मिल जाती है।
- पुल के नीचे से बदलापुर गांव की ओर बहने वाली उल्हास नदी के नालों में कार धोने, नहाने और स्नान करने का काम बहुत अधिक होता है। इसी समय, शहर के आंतरिक नाले भी उल्हास नदी में मिल जाते हैं।
- अंबरनाथ शहर के शिव मंदिर क्षेत्र से बहते हुए, नदी कानसाई क्षेत्र से होकर बहती है और फिर उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी भाग से होकर बहती है। हालांकि, अंबरनाथ कंसाई क्षेत्र से बहते समय, रासायनिक कारखाने, जींस कारखाने, शिव मंदिर में पानी की आपूर्ति और आंतरिक बस्तियों से आने वाले नाले नदी में मिलते हैं, इसलिए अंबरनाथ शहर से उल्हासनगर तक, यह नदी एक नाले का रूप ले चुकी है।

कहां, कितना प्रदूषण...?

उल्हास नदी के मार्ग में प्रदूषण के कई 'बिंदु' हैं। यह प्रदूषण बिना किसी प्रसंस्करण के उल्हास नदी बेसिन में छोड़ दिया जाता है। प्रतिदिन 600 एमएलडी प्रदूषणकारी अपशिष्ट जल उल्हास नदी में बहाया जा रहा है, जिसमें 50 बड़े नालों के माध्यम से लाखों लीटर सीवेज और एमआईडीसी के माध्यम से 34 एमएलडी रसायन बहाया जा रहा है। इस प्रदूषण और प्रदूषित अपशिष्ट जल में योगदान देने वाले प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं।

■ कर्जत	50 एमएलडी
■ नेरल-माथेरान नगर पालिका	50 एमएलडी
■ कुलगांव बदलापुर नगर पालिका	60 एमएलडी
■ उल्हासनगर महानगरपालिका	90 एमएलडी
■ कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका	215 एमएलडी
■ भिवंडी महानगरपालिका	110 एमएलडी

डोंबिवली में शहीदों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए हजारों लोग

कल्याण. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों में शामिल महाराष्ट्र के ठाणे जिले में डोंबिवली के तीन लोगों के अंतिम संस्कार में बुधवार शाम हजारों लोग शामिल हुए।

संजय लेले (50), हेमंत जोशी (45) और अतुल मोने (43) के पार्थिव शरीर को दिन में मुंबई लाया गया था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए भागशाला मैदान पहुंचे और इस दौरान उनके साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता रवींद्र चव्हाण और शिवसेना के स्थानीय सांसद श्रीकांत शिंदे भी मौजूद थे।

फडणवीस द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करने के दौरान पाकिस्तान के विरोध में नारे लगाए गए, कई लोगों ने सभी पाकिस्तानी उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की।

शवों को रात करीब नौ बजे फूलों से सजे वाहनों में शिव मंदिर रोड श्मशान घाट ले जाया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

मंगलवार के हमले में मारे गए नवी मुंबई के दिलीप देसले (64) के पार्थिव शरीर का न्यू पनवेल के पोडी गांव में अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री दादा भुसे भी मौजूद थे।

टपरी चालक पर हमला करने वाला गिरफ्तार

■ **पान टपरी पर मुफ्त सिगरेट लेने आता था आरोपी**

■ **उल्हासनगर स्टेशन परिसर की घटना**

■ **घायल सेंट्रल अस्पताल में भर्ती**

उल्हासनगर. उल्हासनगर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पान की दुकान पर काम करने वाले समवेल म्हस्के पर पुराने विवाद को लेकर जानलेवा हमला किया गया। सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

समवेल म्हस्के उल्हासनगर कैंप 3 रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पान की दुकान पर काम करता है। रोहित राजू शिंदे नाम का बदमाश पान की दुकान पर मुफ्त में सिगरेट और तंबाकू लेने आता था, लेकिन सामवेल उसे देने से इनकार कर देता था।

कुछ महीने पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। 21 अप्रैल को रात करीब 9 बजे जब शिंदे दोबारा मुफ्त में सिगरेट लेने पान की दुकान पर गया तो समवेल ने उसे मना कर दिया। उस समय पुराने विवाद को ध्यान में रखते हुए शिंदे ने धारदार हथियार से समवेल के सिर, हाथ और पेट पर वार कर दिया। घायल समवेल का उपचार सेंट्रल अस्पताल में चल रहा है। सेंट्रल पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कल्याण पश्चिम में युवक ने की आत्महत्या

कल्याण. कल्याण पश्चिम के बिड़ला कॉलेज क्षेत्र में रहने वाले 29 वर्षीय युवक अरविंद वायाल ने अपने आवास पर कपड़े से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में कल्याण के खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। युवक अरविंद वायाळ की आत्महत्या के पीछे का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस बार परिवार ने बाहरी लोगों की मदद से उन्हें रात एक बजे कल्याण के बाई रुक्मिणीबाई अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिवार ने कहा कि उन्हें इस मामले में किसी पर कोई संदेह नहीं है।

उल्हासनगर में कैंडल मार्च और नारेबाजी

शिवाजी चौक पर देशभक्ति की लहर!

उल्हासनगर. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के विरोध में उल्हासनगर में सभी पार्टियां एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस समय छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पाकिस्तान विरोधी नारों से भर गया था।

इसमें भाजपा विधायक कुमार आयलानी, पूर्व जिला अध्यक्ष जमनु पुरसवानी, शिवसेना उबाठा के कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे, उपमहापौर दिलीप मिश्रा, राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार की पार्टी के मनोज लासी, कमलेश निकम, सुमित चक्रवर्ती, नरेंद्र कुमारी ठाकुर, शिवाजी रगड़े, कांग्रेस के रोहित साल्वे, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के बंडू देशमुख, संजय घुगे, शैलेश पांडव, दिनेश शेटपलानी, पीआरपी के प्रमोद टाले आदि उपस्थित थे.

उल्हासनगर में शिवसेना की ओर से बुधवार रात को सड़कों पर प्रदर्शन किया गया। पार्टी नेता उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कहा कि अगर वे आदेश देंगे तो हम सीमा पर जाने के लिए तैयार हैं। इस दौरान शिवसैनिकों ने पाकिस्तानी झंडे को पैरों तले रौंदकर विरोध जताया। भारतीय जनता पार्टी ने भी मोमबत्ती मार्च के जरिए मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

शिवसेना महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में विजय पाटिल ने कैंप क्रमांक 5 के बस स्टॉप चौक पर धरना दिया। साथ ही सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के जनसंपर्क कार्यालय के बाहर हुए धरने में सभी पूर्व पदाधिकारी, महिला आघाड़ी और युवा सेना शामिल हुई।भाजपा की ओर से विधायक कुमार आयलानी, जिला अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी व अन्य ने कैंडल मार्च निकाल कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। शिवसेना ने हमले के आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की।

000

चाय की दुकान में चोरी

■ **सीसीटीवी में कैद हुआ चोर,**

उल्हासनगर. शहर में एक चाय की दुकान पर दिनदहाड़े चोरी की चौंकाने वाली घटना घटी है। 'मिस्टर एंड मिसेस कुल्हड़ चाय' की दुकान पर आए एक युवक ने मौका पाकर उसने काउंटर से नकदी चुरा ली और भाग गया। दिलचस्प बात यह है कि पूरी घटना दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गई।

उल्हासनगर कैंप 3 के फॉरवर लाइन क्षेत्र में स्थित ''मिस्टर एंड मिसेस कुल्लड़ चाय' की दुकान से चोर नकदी चुरा ले गए। घटना बुधवार (24) को दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई। यह युवक ग्राहक के रूप में दुकान पर आया था। उसने चाय का ऑर्डर दिया और एक कप लेकर दुकान के काउंटर के पास खड़ा हो गया। यह देखकर कि उस समय काउंटर पर कोई मौजूद नहीं था, उसने अवसर का फायदा उठाया। उसने दराज खोलकर उसमें से लगभग ढाई से तीन हजार रुपए नकद चुरा लिए और तुरंत वहां से चला गया। पूरी घटना दुकान के सीसीटीवी कैमरे में साफ कैद हो गई। इस फुटेज के आधार पर सेंट्रल थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस युवक के चेहरे की पहचान कर उसकी तलाश कर रही है।

अंबरनाथ में तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त

■ **लोकनगरी बाईपास रोड पर हुई दुर्घटना**

अंबरनाथ. बुधवार (23) रात लोकनगरी बायपास रोड पर एक चार पहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुई। यह दुर्घटना तेज गति से आ रही कार पर नियंत्रण खो जाने के कारण हुई। पूरा हादसा सीसीटीवी में कैद हो गया। यह घातक दुर्घटना बुधवार रात करीब 10 बजे अंबरनाथ पूर्व लोकनगरी बाईपास रोड पर हुई। इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ; हालांकि, सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक बाल-बाल बच गए। कार के एयरबैग खुल जाने से कार में सवार दोनों यात्री बच गए।

ड्राइवर ने कहा कि दुर्घटना तब हुई जब कार का स्पोर्ट्स मोड गलती से चालू हो गया, जिससे कार की गति बढ़ गई और ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया; हालांकि, इस मामले में अभी तक शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज नहीं किया गया है।

कई वाहन चालक रात के समय इस सड़क पर लापरवाही से वाहन चलाते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं। इसलिए इस स्थान पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। नागरिक अक्सर मांग करते हैं कि पुलिस इस ओर ध्यान दे; हालांकि, पुलिस को घटना की सामान्य जानकारी भी समय पर नहीं मिल पाती।

लेले मुझे 30 वर्षों बाद अंबरनाथ में मिला और पहलगाम हमले में उसकी मौत हो गई

■ **अंबरनाथ के सीए देवेंद्र जैन ने फेसबुक पोस्ट किया**

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. पहलगाम दहशतवादी हमले में डोंबिवली के हेमंत जोशी, अतुल मोने और संजय लेले की मौत हुई है. इस घटना के बाद संजय लेले के महाविद्यालय के मित्र अंबरनाथ निवासी सीए देवेंद्र जैन ने लेले के साथ में 3 अप्रैल 2025 को अंबरनाथ स्टेशन पर लिए गए फोटो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करके लिखा है कि अंबरनाथ स्टेशन पर लेले से उनकी अचानक भेंट हो गई. संजय लेले ने ही उन्हें पहचाना और कहा अरे तुम देवेंद्र जैन हो ना?

हम दोनों ने एक दूसरे को पहचाना... ऐसा पोस्ट में जैन ने कहा है. 30 वर्ष के बाद दोनों की मुलाकात हुई थी. संजय लेले ने उनके साथ सेल्फी भी लिया और कहा कि दोबारा हम मिलेंगे. ये कहकर दोनों एक दूसरे से अलग हो गए. इस घटना को 20 दिन भी नहीं हुए कि कश्मीर हमले में संजय लेले की मौत की खबर सुनकर उन्हें गहरा दुख हुआ है. मेरा दोस्त संजय लेले 30 वर्षों बाद मुझे मिला तो मुझे बड़ी खुशी हुई थी, लेकिन कश्मीर हमले में मारे जाने से मुझे बड़ा दुख हुआ है. ऐसा जैन ने फैस बुक पर पोस्ट किया है.

अंबरनाथ अग्निशमन दल द्वारा नगर परिषद में मॉक ड्रिल

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद प्रशासकीय इमारत के सामने अग्निशमन दल की तरफ से बुधवार को मॉकड्रिल की गई. मुख्याधिकारी, प्रशासक उमाकांत गायकवाड़ की उपस्थिति में अग्निदल प्रमुख भागवत सोनोने और उनके सहकारियों ने आग लगने पर उस पर किस तरह नियंत्रण किया जा सकता है. इसका प्रात्यक्षिक करके दिखाया.

कुछ दिनों से विविध कारणों से आग लगने के प्रमाण बढ़ गए हैं. कार्यालय में काम करते समय एवं घर में हर एक ने सतर्कता से काम लेना चाहिए. ऐसे आपातकालीन समय में उपलब्ध यंत्रणा का इस्तेमाल किस प्रकार किया जाए. कौन-कौन सी खबरदारी लेना चाहिए. घर से बाहर जाते समय गैस बंद करना चाहिए. बिजली के उपकरणों को भी बंद करना चाहिए. आग लगने की घटना अगर हो गई तो घर की विद्युत आपूर्ति को तुरंत बंद करें. इमरजेंसी परिस्थिति में सोसायटी के प्राथमिक उपकरणों का इस्तेमाल करें. अ

धिकारी कर्मचारी नागरिक पालिका में काम के सिलसिले में आते हैं. उनकी सुरक्षा भी महत्व की है. ऐसे समय में अग्निशमन दल कार्यालय और मोबाइल पर तुरंत संपर्क करने का आह्वान सोनोने ने उपस्थितों से किया. मॉक ड्रिल करते समय अधिकारी नरेंद्र संखे, प्रशांत पवार, सुहास सावंत, मीनल जाधव, महिला अधिकारी उपस्थित थे.

ठाणे जिले में ढाई साल में बढ़े साढ़े पांच लाख वाहन

ठाणे. ठाणे जिले के नागरिक, विशेषकर ठाणे, डोंबिवली, कल्याण और भिवंडी जैसे शहरों में, संकरी सड़कों, विभिन्न परियोजनाओं पर निर्माण कार्य और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण होने वाली यातायात भीड़ से परेशान हैं। उधर, परिवहन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि पिछले ढाई साल में पूरे जिले में साढ़े पांच लाख नए वाहनों का पंजीकरण हुआ है।

चूंकि ठाणे जिला मुम्बई के नजदीक है, इसलिए काम के लिए मुम्बई आने वाले कर्मचारी ठाणे जिले में घर खरीदना पसंद करते हैं। जिले की जनसंख्या बढ़ रही है। शहर में नई आवासीय परियोजनाएं बनाई जा रही हैं। घोड़बंदर को गायमुख-नागलाबंदुर तक विस्तारित किया गया है। यहां तक कि भिवंडी जैसे गोदाम शहर को भी अब 'नया ठाणे' कहा जाने लगा है।

शहर में जनसंख्या वृद्धि का असर रेल यातायात पर भी पड़ रहा है। अपर्याप्त परिवहन सुविधाओं के कारण नागरिक निजी वाहन से स्टेशन पहुंचते हैं। इसलिए, स्टेशनों पर भी भीड़ हो जाती है। इसलिए, ट्रेनों की भीड़ से बचने के लिए कुछ कर्मचारी निजी वाहन से मुंबई जाना पसंद करते हैं।

गुजरात, भिवंडी और उरण मार्ग पर हल्के वाहनों के साथ-साथ भारी वाहन भी चल रहे हैं। इसलिए वाहन चालकों को हर दिन ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है। लेकिन पिछले ढाई साल में यानी 1 जनवरी 2023 से 20 अप्रैल 2025 तक ठाणे जिले में पांच लाख 73 हजार 559 वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। परिवहन विभाग के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है।

सबसे अधिक वाहन ठाणे उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग क्षेत्र में पंजीकृत किये गये। ठाणे उप क्षेत्रीय परिवहन प्रभाग ठाणे, भिवंडी शहर और ग्रामीण क्षेत्र को कवर करता है। कल्याण उप-क्षेत्रीय परिवहन प्रभाग डोंबिवली से बदलापुर और ग्रामीण क्षेत्रों तक के क्षेत्र को कवर करता है। वाशी उप-क्षेत्रीय परिवहन प्रभाग क्षेत्र में नवी मुंबई शहर शामिल है। ठाणे उपक्षेत्रीय परिवहन विभाग में दो लाख 80 हजार 801, कल्याण उपक्षेत्रीय परिवहन विभाग में एक लाख 98 हजार 52 तथा वाशी उपक्षेत्रीय परिवहन विभाग में 94 हजार 706 नए वाहन पंजीकृत किए गए हैं।

सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का उपयोग बढ़ाने से मानसिक तनाव कम होगा और ईंधन लागत में बचत होगी। यदि निजी कंपनी के कार्यालय भी अपने समय में परिवर्तन करें तो इससे सड़कों पर यातायात की भीड़ कम हो जाएगी।

— डॉ. शंकर विश्वनाथ,
परिवहन विशेषज्ञ।

वाहन पंजीकरण के वार्षिक आंकड़े

	1 जनवरी से 31 दिसंबर 2023	1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024	1 जनवरी से 20 अप्रैल, 2025 तक
ठाणे	1,12,434	1,27,028	41,339
कल्याण	79,433	89,245	29,374
वाशी	38,518	42,255	13,933

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

भाषा की राजनीति में उलझी हिंदी

कोई ज्यादा दिन नहीं हुए जब तमिलनाडु में हिंदी के विरोध में आवाज उठी थी। केंद्र और राज्य के बीच भाषा के मुद्दे पर सियासी विवाद कई दिनों तक चला, जबकि इसका कोई तर्कसंगत आधार नहीं था। क्षेत्रीय भावनाओं को उभारने के लिए कुछ राज्यों में राजनीतिक दल तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का आज विरोध जरूर कर रहे हैं, लेकिन ऐसा कर वे भावी पीढ़ियों का नुकसान ही करेंगे। क्योंकि जब युवा अपने राज्य से किसी दूसरे राज्य में पढ़ने या नौकरी करने जाएंगे, तब संपर्क भाषा के रूप में उन्हें हिंदी की ही जरूरत पड़ेगी।

हैरत की बात है कि अब महाराष्ट्र में भी सियासी विरोध शुरू हो गया है। वहां अंग्रेजी और मराठी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने के आदेश पर रोक लगाने से कई सवालिया निशान उठे हैं। स्पष्ट है कि यह फैसला राजनीतिक दबाव में लिया गया। हालांकि शिक्षामंत्री ने हिंदी सीखने को स्वैच्छिक बता कर नरमी दिखाई है, मगर राज्य में विपक्षी दलों का विरोध समझ से परे है। आखिर भाषा पर कितने दिनों तक वे सियासत करते रहेंगे?

मराठी अस्मिता के नाम पर विरोध कर रहे दलों को यह सोचना चाहिए कि हिंदी और मराठी दोनों की लिपि देवनागरी है और इससे विद्यार्थियों को भाषा सीखने में सहजता रहती है। उन्हें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि मुंबई के सिनेमा उद्योग ने हिंदी का जितना प्रसार किया है, उसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। आज दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के लोग भी हिंदी समझ जाते और थोड़ी-बहुत बोल भी लेते हैं।

संगीत, साहित्य और फिल्मों से पूरे भारत में हिंदी जिस तरह आगे बढ़ी है, उसे अलग करके नहीं देखा जा सकता। बाजार की भाषा के रूप में आज हिंदी की एक अलग पहचान है। अब पर्यटन से लेकर उद्योग या कोई भी व्यवसाय इसके बिना नहीं चल सकता। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात अक्सर होती है, तो इसकी वजह समझी जा सकती है। क्योंकि यही वह भाषा है, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी को एक सूत्र में बांधती है।

पोस्टर पर चस्पा कानून की बेचारगी, पलायन की विवशता

पिछले दिनों दिल्ली के सीलमपुर इलाके में एक किशोर की हत्या ने सारे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा, क्योंकि इस घटना के बाद कई स्थानीय लोगों ने अपने घरों पर ऐसे पोस्टर लगाए- हिंदू पलायन कर रहा है, ये मकान बिकाऊ है, योगी जी मदद करो..। ऐसे पोस्टर लगने के बाद सनसनी फैलनी ही थी। सीलमपुर में मीडिया का जमावड़ा भी पहुंचा और नेताओं एवं पुलिस अधिकारियों का अमला भी। इलाके में पुलिस की तैनाती भी बढ़ाई गई, क्योंकि तनाव की स्थिति थी। आखिर क्या कहते हैं सीलमपुर के ये पोस्टर? क्या यहां रहने वालों की लाचारी या फिर पुलिस और कानून के शासन के प्रति भरोसे में कमी? इन पोस्टरों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उल्लेख तो यही इंगित करता है कि सीलमपुर के लोगों को दिल्ली पुलिस और यहां के शासन पर भरोसा नहीं।

सीलमपुर के मामले को अपवाद नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कुछ ही समय पहले ब्रह्मपुरी नामक मोहल्ले में ऐसे ही पोस्टर लगाए गए थे, क्योंकि मस्जिद के विस्तार को लेकर सांप्रदायिक तनाव फैल गया था। ब्रह्मपुरी और सीलमपुर जैसे मामले इसलिए बेहद चिंताजनक हैं, क्योंकि वे सुदूर इलाके नहीं, देश की राजधानी के मोहल्ले हैं। सीलमपुर से संसद और सुप्रीम कोर्ट की दूरी तो दस किलोमीटर भी नहीं है। यदि देश की राजधानी में एक तरह से संसद एवं सुप्रीम कोर्ट की नाक के नीचे रहने वालों के मन में कानून के शासन के प्रति ऐसा अविश्वास हो सकता है तो कल्पना

की जा सकती है कि दूर-दराज के इलाकों में क्या स्थिति होगी? यह कल्पना करना इसलिए कठिन नहीं, क्योंकि वक्फ कानून विरोधियों की आतंक पैदा करने वाली हिंसा के भय से मुर्शिदाबाद से जो लोग मालदा भागने को मजबूर हुए, वे लौटने को तैयार नहीं।

एक झटके में अपने ही देश में शरणार्थी बन गए इन अभागे लोगों का कहना है कि वे तभी लौटेंगे, जब वहां सीमा सुरक्षा बल के जवानों को स्थायी रूप से तैनात किया जाएगा। क्या ऐसा किया जाएगा? क्या मुर्शिदाबाद से मालदा भागे लोग अपने घरों को लौट सकेंगे? पता नहीं, क्योंकि समस्या केवल यह नहीं कि मुर्शिदाबाद से भागे लोगों को बंगाल पुलिस पर भरोसा नहीं। समस्या यह भी है कि इन लोगों ने वक्फ कानून के विरोध में उतरी हिंसक भीड़ के हाथों पुलिस की पिटाई भी देखी है।

हिंसा पर आमादा इस भीड़ ने पुलिस के वाहनों को आग लगा दी थी और उन पर इतने बम फेंके थे कि पुलिस वालों को जान बचाकर भागना पड़ा था। इस हिंसा में दस पुलिसकर्मी घायल हुए थे। जो पुलिस अपनी रक्षा करने में समर्थ न हो, वह भला यह दिलासा कैसे दे सकती है कि वह आम लोगों की सुरक्षा करने में समर्थ होगी?

मकान बिकाऊ है..के जैसे पोस्टर दिल्ली के सीलमपुर मोहल्ले में लगे, वैसे देश के अन्य हिस्सों में रह-रहकर लगते रहते हैं। निःसंदेह हर बार मामला गुंडों-दबंगों की अराजकता का नहीं होता। कई बार अपनी सामान्य समस्याओं से आजिज आए लोग शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए भी ऐसे पोस्टर लगा देते हैं, लेकिन ऐसे कुछ मामलों के आधार पर सभी मामलों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

पिछले एक दशक में मकान बिकाऊ है.. के पोस्टरों ने सबसे अधिक सनसनी तब पैदा की थी, जब 2016 में मुजफ्फरनगर के कैराना से कई हिंदू परिवारों के पलायन करने की खबर आई थी। ये परिवार अपने घरों पर मकान बिकाऊ है... के पोस्टर चस्पा कर गए थे। पहले तो इस खबर का खंडन-मंडन करने की कोशिश हुई, लेकिन आखिरकार राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक टीम ने अपनी जांच में माना कि बेलगाम अराजक तत्वों के भय से कई हिंदू परिवार सचमुच अपने घर छोड़ गए हैं। योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद ही ऐसे परिवार अपने घरों को लौट सके, लेकिन ऐसे उदाहरण कम ही हैं, जब अराजकता, उत्पीड़न के चलते पलायन कर गए लोग अपने घरों को लौट सके हों। इसका कारण यह है कि ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। प्रायः लोगों को समझा-बुझाकर शांत करने और इलाके में फौरी तौर पर सुरक्षा बढ़ाकर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है।

रोज़ाना ध्यानाभ्यास में समय बिताने से हम अपनी आत्मा की शक्ति को खोज लेंगे, तथा अपने जीवन को विवेक, अमरता, प्रेम, निडरता, संबद्धता, और आनंद से भरपूर कर लेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

भारत-अमेरिका समझौते की उम्मीदें क्यों हैं मजबूत?

जिस वक्त अमेरिका की पारस्परिक शुल्क नीति की वजह से दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण है, भारत के साथ उसके द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत का सिलसिला कई सकारात्मक संकेत लिए हुए है। जब डोनाल्ड ट्रंप ने अलग-अलग देशों से आयात होने वाली वस्तुओं पर अपनी शुल्क दरों की घोषणा की, तो दुनिया भर से तल्ख प्रतिक्रियाएं उभरनी शुरू हो गईं। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने अपनी शुल्क नीति को नब्बे दिनों के लिए विराम दे रखा है, पर आने वाले दिनों में आर्थिक उथल-पुथल की आशंकाएं समाप्त नहीं हुई हैं।

दुनिया भर के पूंजी बाजार में हिचकोले देखे जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ अमेरिका का सकारात्मक रुख बना हुआ है। फरवरी में प्रधानमंत्री जब अमेरिका यात्रा पर गए थे, तभी उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते का प्रस्ताव रखा था और अमेरिका ने उस पर गर्मजोशी दिखाते हुए अगले पांच वर्षों में पारस्परिक व्यापार गतिविधियों को वर्तमान एक सौ नब्बे अरब डालर से बढ़ा कर पांच सौ अरब डालर तक पहुंचाने का इरादा जताया था। उसके बाद भारत ने कई अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क में भारी कटौती कर दी थी। इसकी ट्रंप ने प्रशंसा भी की।

इस सिलसिले में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दो दिन की बातचीत शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि दोनों देश जल्दी ही इस समझौते पर हस्ताक्षर कर लेंगे। इन दिनों अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। दिल्ली आते ही उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ इस मसले पर बातचीत की और सकारात्मक रुख दिखाया था। अभी जब दोनों देशों के बीच इस मसले पर वाशिंगटन में बातचीत शुरू हुई है, तो उसके पहले वेंस ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार संबंधी शर्तें तय हो चुकी हैं। यानी स्पष्ट है कि अगले कुछ महीनों में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

निस्संदेह इस समझौते से न केवल भारत-अमेरिकी रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे, बल्कि दुनिया की बदलती आर्थिक स्थितियों में नए समीकरण भी बनेंगे। यों, दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर कोई गहरे मतभेद पहले से ही नहीं थे, जैसे अमेरिका के साथ चीन के हैं। फिर, ट्रंप प्रशासन की पारस्परिक शुल्क नीति को लेकर भारत ने कभी कोई तल्ख टिप्पणी नहीं की। उसने संयम और संतुलन के साथ अमेरिकी फैसलों पर लगातार नजर बनाए रखा और द्विपक्षीय व्यापार को लेकर अपनी बातचीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने पर वह कायम रहा। उसी का नतीजा है कि अमेरिका के साथ उसकी नजदीकी कुछ और बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के तहत कई वस्तुओं पर सीमा शुल्क में भारी कटौती की जा सकती या उसे खत्म किया जा सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत उसके औद्योगिक उत्पादों, विद्युत वाहनों, वाइन, पेट्रोरसायन, दुग्ध और कुछ कृषि उत्पादों के आयात में रियायत दे, जबकि भारत चाहता है कि अमेरिका यहां के परिधान, कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, प्लास्टिक समेत समुद्री खाद्य आदि के निर्यात पर शुल्क कम करे। अमेरिका ने फिलहाल सभी देशों के लिए आधार शुल्क दस फीसद रखा हुआ है, इसलिए इन वस्तुओं पर शुल्क निर्धारण में सहनीय दरें रखना बहुत पेचीदा मसला नहीं माना जा रहा। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन पर दुनिया भर से और अपने नागरिकों की ओर से शुल्क निर्धारण में नरमी लाने के जैसे दबाव बन रहे हैं, उसमें कुछ सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बनी हुई है।

दफनाने से ठीक पहले जाग उठी लाश

जरा हट के

कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जिन पर एक बार में भरोसा कर पाना मुश्किल हो जाता है. ऐसी ही घटना को लोग चमत्कार कहते हैं. कुछ ऐसा ही हुआ, जब एक महिला ठीक अपने ही अंतिम संस्कार से पहले ज़िंदा हो गई. लोग उसे मरा हुआ समझ रहे थे और कब्र में डालने की तैयारी पूरी हो गई थी. इसी बीच उन्हें जिस बैग में बॉडी रखी हुई थी, वो हिलती-डुलती दिखाई देने लगी.

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक एक बजुर्ग महिला को अस्पताल में भरती किया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. चौंकाने वाली बात तो ये थी जब उसे दफनाने के लिए ले जाया गया, तो अचानक महिला फिर से ज़िंदा हो गई. ये घटना स्पेन की है, जहां महिला को बॉडी बैग से निकालकर फिर से अस्पताल पहुंचा दिया गया.

कब्र में जाने से पहले हिलने लगा शव

रिपोर्ट्स के मुताबिक ये घटना स्पेन के पाल्मा की है. यहां रहने वाली एक बुजुर्ग महिला को जुआन मार्च दी बुनवोला अस्पताल में भर्ती कराया गया था. यहां पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था. इसके बाद महिला के अंतिम संस्कार के लिए उसके शरीर को बॉडी बैग में कब्रिस्तान तक ले जाया गया. यहां कब्रिस्तान का स्टाफ महिला को कब्र में डालने ही वाला था कि उन्हें महिला का शरीर और उंगलियां हिलती हुई दिखाई दीं. घबराए स्टाफ और पैरामेडिक्स ने देखा कि महिला ज़िंदा थी तो उसे जल्दबाज़ी में दोबारा अस्पताल ले जाया गया.

अस्पताल ले जाने के बाद महिला इस बात की जांच जारी हो गई है कि उसे मरा हुआ कैसे घोषित कर दिया गया. वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. पिछले साल फरवरी में भी एक महिला को कुपोषण की स्थिति में भर्ती कराया गया था. उसे भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था लेकिन वो 5 घंटे के बाद बॉडी बैग के अंदर हिलती हुई दिखाई दी. घबराए लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, हालांकि वो कुछ घंटे ही जी पाई.

करेले की चटनी

खाना-खजाना

करेला कई घरों में खाई जाने वाली सब्जी है। भले ही ये स्वाद में थोड़ा कड़वा हो, लेकिन आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नेशियम, कॉपर और मैगनीज जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। शुगर लेवल को कंट्रोल करने से लेकर पाचन को भी दुरुस्त करने में मदद करता है। आइए ऐसे में आज हम लेकर आए हैं, आपके लिए इसकी नई रेसिपी। ये है करेले की चटनी। जी हां, इसकी सब्जी तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन इस बार हमारी इस रेसिपी से ट्राई करके देखिए इसकी ये टेस्टी चटनी।

सामग्री :

- करेला- 250 ग्राम
- हरी मिर्च- 4-6
- नींबू- 1
- काला नमक- 1/2 टीस्पून
- नमक- स्वादानुसार

विधि :

करेले की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले इसे अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। अब इन इन्हें को साफ और सूती कपड़े से पोंछ लें। इसके बाद इनकी दोनों साइड के डंठल को काटकर अलग कर दें।

अब एक छिलनी की मदद से करेले के ऊपर से मोटे-मोटे छिलके उतार लें। इसके बाद इन छिलकों को एक बार साफ पानी में धोकर एक बर्तन में निकाल लें।

अब इन्हें नमक के पानी में करीब 15-20 मिनट तक भिगोकर रख दें। इसके बाद इन छिलकों को पानी से निकालकर मिक्सर जार में डालकर पीस लें। अब इसमें हरी मिर्ची, काला नमक और नींबू का रस भी एड करें। इसके बाद इसे मिक्सर जार की मदद से पीसकर एक बाउल में निकाल लें।

बस तैयार है आपकी स्वादिष्ट करेले की चटनी।

अखरोट को भिगोकर खाने के लिए क्यों दी जाती है सलाह?

जब भी ड्राई फ्रूट्स को खाने की बात आती है तो बादाम के बाद सबसे ज्यादा फायदेमंद ड्राई फ्रूट्स अखरोट को माना जाता है। इसमे काफी ज्यादा मात्रा में न्यूट्रिशन तत्व होते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ ओमेगा 3 फैटी एसिड का रिच सोर्स अखरोट को माना जाता है। जो हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होने के साथ ही शरीर में सूजन की समस्या को भी खत्म करता है। लेकिन अखरोट को खाने के पहले भिगोने की सलाह दी जाती हैं। जानें इसके कारण।

अखरोट को खाने का सही तरीका

एक्सपर्ट्स के मुताबिक अखरोट को खाने का बेस्ट तरीका इसे भिगोकर सुबह सबसे पहले खाना है। इससे अखरोट के ज्यादा से ज्यादा फायदे शरीर को मिलते हैं। जानें अखरोट भिगोने से शरीर पर क्या असर पड़ता है।

अखरोट खाने से होने वाले फायदे

अखरोट का ब्रेन जैसा शेप इसे दिमाग के लिए जरूरी बनाता है। बच्चों से लेकर बूढ़ों की मेमोरी शार्प करने के लिए इसे रोजाना खाने की सलाह दी जाती है।

इम्यूनिटी बूस्ट

एंटीऑक्सीडेंट्स और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होने की वजह से अखरोट को जब हम रोजाना खाते हैं तो ये शरीर के इम्यूनिटी सिस्टम को सही रखने में मदद करता है।

स्किन के लिए भी है फायदेमंद

अखरोट में विटामिन ई और पॉलीफेनॉल्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो हमे अल्ट्रा वॉयलेट किरणों से बचाने में मदद करते हैं। गर्मियों में स्किन को इन यूवी रेज से बचाने में अखरोट हेल्प करते हैं।

जोड़ों के दर्द में आराम

जिन लोगों को जोड़ों के दर्द और कमजोर हड्डियों की शिकायत रहती हैं। उन्हें अखरोट को नियमित रूप से खाना चाहिए। ये हड्डियों को मजबूत बनाने और जोड़ों में लूब्रिकेंट्स को बढ़ाता है। जिससे ज्वाइंट्स के घिसने की वजह से होने वाले दर्द में राहत मिलती है।

सूजन कम करता है

ज्यादातर क्रॉनिक बीमारियों का कारण शरीर में होने वाली सूजन और ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस है। अखरोट में पाया जाने वाला

पॉलिफेनॉल सूजन और शरीर में हो रहे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करता है।

एनर्जी देने और वेट लॉस में मदद

इसके साथ ही भीगे अखरोट में हेल्दी फैट्स, फाइबर, प्रोटीन की मात्रा शरीर आसानी से अब्जॉर्ब कर लेता है। जिसकी वजह से शरीर को एनर्जी तेजी से मिलती है। साथ ही ये पेट भरने में मदद करता है। जिससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

शरीर को मिलते है सारे जरूरी पोषण

अखरोट को भिगोकर खाने से इसका पाचन आसान हो जाता है। साथ ही बॉडी में इसके जरूरी पोषक तत्व भी पहुंचते हैं। यहीं नहीं अखरोट को अगर सुबह और सोने के पहले खाया जाए तो ये नींद को बेहतर करने में मदद करता है। अखरोट में मेलाटोनिन की मात्रा होती है। एक तरह का हार्मोन जो ब्रेन में अंधेरे को देखकर प्रोड्यूस होता है और नींद को बढ़ावा देता है।

आज का राशिफल

मेष : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें।

वृषभ : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे। ज्ञानीजनों से मुलाकात होगी। शांति बनाना आवश्यक है। अकारण भय व्याप्त होगा।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट। जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे।

कर्क : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करते रहें। समय पक्ष का है। यात्रा में हानि। विरोधी कष्ट देंगे।

सिंह : चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे। 'आ बैल मुझे मार' की स्थिति निर्मित न होने दें। भय बना रहेगा। सोच-समझकर निर्णय लें।

कन्या : कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। दुखद समाचार मिलने की संभावना है। अस्वस्थता होगी। कुसंग से हानि, कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। कष्टों में निवृत्ति नहीं होगी। कलह से बचना होगा। अधिकार के लिए प्रयत्न करना होगा।

वृश्चिक : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। अपमान, कष्ट, कलह से बचना होगा। राज्य से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। शत्रु परेशान करेंगे।

धनु : दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। वाहन देखकर चलाएं। परिस्थितियां अनुकूल होंगी। कुछ विरोध होगा। शांति होगी।

मकर : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी। अंतरप्रेरणा से कार्य करें। धनागम के अवसर बढ़ेंगे।

कुंभ : भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे। धनागम होगा। शरीर शिथिल होगा। शत्रु शांत रहेंगे। लाभ-हानि बराबर रहेंगे।

मीन : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है। पराक्रम दिखलाने का अवसर है।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शुगर और कोलेस्ट्रॉल का दुश्मन है करेला

3 महीने में बदल जाती है खून की क्वालिटी

स्वाद में बेहद कड़वी, लेकिन सेहत के लिए जबरदस्त यह सब्जी, दवा की तरह हमारे शरीर की कई परेशानियों को बड़ी आसानी से बाहर निकाल फेकती है. यह हमारे शरीर में खून की क्वालिटी को सुधारने, शुगर लेवल को कंट्रोल करने और कोलेस्ट्रॉल की समस्या को दूर करने में काफी असरदार है. आइए जानते हैं इसके फायदों को.

करेले का नाम आते ही लोग मुंह बना लेते हैं. बहुत कम ही लोग

ऐसे हैं जिन्हें करेला पसंद है. करेले में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो इंसान के शरीर की कई तरह की परेशानियों को बड़ी आसानी से दूर करने का काम करता है.

हेल्थलाइन के मुताबिक, करेले में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फाइबर, फॉलेट, पोटैशियम, जिंक और आयरन पाया जाता है जो शरीर में किसी तरह के नुकसान को हील करने, डिटॉक्स करने से लेकर बड़ी बीमारियों के खतरों को भी दूर रखने में मदद करता है.

एक शोध में तो यह भी पाया गया है कि अगर इंसान तीन महीने तक करेले का सेवन करे तो उसके डायबिटीज की समस्या में तेजी से सुधार नजर आएगा और यह ब्लड में शुगर लेवल को कम करने के साथ साथ हीमोग्लोबिन को भी

सुधारने में मदद कर सकता है. इस तरह यह लॉन्ग टर्म ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने का काम कर सकता है.

केरेले में कैंसर से प्रोटेक्शन देने वाली प्रॉपर्टीज भी पाई गई है. शोध में पाया गया है कि अगर करेले का सेवन करें तो यह कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है और पेट, कोलन, लंग्स, ब्रेस्ट कैंसर सेल्स के अगेन्स्ट काम करता है.

करेले के सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करने में मदद मिल सकती है. अगर आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या से परेशान हैं तो अपने डाइट में करेले को शामिल कर लें. यह एलडीएल को बढ़ने से रोकता है जिससे हार्ट, आर्टरी में ब्लड पंप करने की परेशानी दूर रहती है और हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा नहीं रह

जाता.

करेले में फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है. फाइबर कब्ज की परेशानी को दूर करता है, आंतों को साफ करता है, डायजेशन बढ़िया करता है, वजन कम करने में मदद करता है, लंबे समय तक पेट को भरा रखने और भूख को रोकने का भी काम करता है.

आप इसकी सब्जी तो बनाकर खा ही सकते हैं, इसे अन्य वेजिटेबल के साथ मिलाकर जूस के रूप में भी पी सकते हैं. आप चाहें तो इसे अंडे या पनीर में लहसुन, टमाटर के साथ मिलाकर या पकोड़े बनाकर भी खा सकते हैं. हालांकि अगर आप ब्लड शुगर लो करने की दवा खाते हैं, किसी तरह की सेहत से जुड़ी परेशानी है या प्रेगनेंट हैं तो अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही इनका इस तरह सेवन करें.

वेट को रखता है कंट्रोल सत्तू

बॉडी को रखें कूल

बढ़ती गर्मी में सत्तू का सेवन शरीर को भीतर से ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसका सेवन नियमित रूप से करने से बॉडी हाइड्रेट बनी रहती है। एक्सपर्ट्स की मानें तो सत्तू की तासीर ठंडी होती है, खाली पेट सत्तू पीने से पेट और शरीर में ठंडक बनी रहने के साथ व्यक्ति का लू से भी बचाव हो सकता है।

पेट रहेगा दुरुस्त

सत्तू में मौजूद फाइबर की मात्रा पाचन संबंधी समस्याओं में राहत पहुंचाने का काम करती है। इसका सेवन करने से मल त्यागने की प्रक्रिया ठीक बनी रहती है। जिससे पेट साफ रहता है और व्यक्ति को पेट से जुड़ी बीमारियों जैसे कब्ज,पेट दर्द, एसिडिटी में आराम मिलता है।

डायबिटीज कंट्रोल

डायबिटीज रोगियों के लिए भी सत्तू का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। इसके नियमित सेवन से ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है। सत्तू में ग्लाइसेमिक इंडेक्स की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे डायबिटीज रोगियों की सेहत को फायदा मिल सकता है। यदि आप डायबिटीज से जूझ रहे हैं तो इसे अपनी डाइट में सत्तू को शामिल कर सकते हैं।

वेट लॉस

अगर आप बढ़ते वजन को कम करने की अपनी सभी कोशिशें करके थक चुके हैं तो अपनी डाइट में सत्तू को शामिल कर लें। सत्तू का सेवन शरीर में पोषक तत्वों की कमी पूरी करके पेट को भरा रहने का अहसास करवाता है। जिससे व्यक्ति को बार-बार अनहेल्दी फूड की क्रेविंग नहीं होती और वो ज्यादा खाने से बच जाता है। इसके अलावा सत्तू एक लो कैलोरी और हाई फाइबर सुपरफूड भी है,जो मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने के साथ वजन को कम करने में भी मदद करता है।

आयरन की कमी

सत्तू में मौजूद आयरन की मात्रा शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाकर खून की कमी को पूरा करने में मदद करती है। सत्तू के नियमित सेवन से एनीमिया जैसी बीमारियों को मात दी जा सकती है। बता दें, भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं, ऐसे में सत्तू का सेवन उनके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

गोरखपुर में प्रेमी-प्रेमिका ने सल्फास खाकर दी जान, अर्धनग्न हालत में मिले दोनों के शव

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां जिले के मानीराम में एक युवक और युवती ने जहर खाकर जान दे दी। दोनों की अर्धनग्न हाल में लाश मिली। इससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। युवक के शरीर पर सिर्फ अंडरवियर था तो वहीं युवती के भी कपड़े अस्त-व्यस्त थे। पास में पड़ी स्कूटी से उनकी पहचान विश्वनाथ और नीतू के रूप में हुई। सूचना मिलने पर चिलुआताल पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्रित करने के बाद दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बलरामपुर में मंदिर के पुजारी की गोली मारकर हत्या, एक दिन पहले ढूंढते हुए आए थे 2 युवक

बलरामपुर. यूपी के बलरामपुर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां नगर कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत दिपवा बाग बांध निकट गुरुवार सुबह मंदिर पुजारी का शव पड़ा मिला। पुजारी की हत्या गोली मारकर की गई है। शव मिलने से मोहल्ले में सनसनी फैल गई। पुजारी को दो लोग बुधवार शाम के वक्त ढूंढने मंदिर गए थे। वे पुजारी का फोन नंबर उसके भाई से लाये थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुजारी के भाई ने तहरीर में एक व्यक्ति को नामजद किया है। जबकि घटना में कई लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। कातिलों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीम बनाई गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रायफल छीनकर रेप के आरोपी ने की हमले की कोशिश, आत्मरक्षा में पुलिस ने मारी गोली

सोनभद्र. सोनभद्र जिले के पिपरी क्षेत्र में अनुसूचित जाति की एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के एक आरोपी ने बृहस्पतिवार को पुलिस की रायफल छीनकर हमले की कोशिश की। पुलिस द्वारा 'आत्मरक्षा' में चलायी गयी गोली लगने से घायल अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने बताया कि एक महिला ने बुधवार की शाम पिपरी थाने में लिखित शिकायत दी थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उसकी 11 वर्षीय नातिन बुधवार को लापता हो गयी थी और खोजने पर एक घर में से उसके रोने की आवाज आयी। शिकायत के मुताबिक, जब दरवाजा खुलवाया गया तो मंजर खान नामक आरोपी दरवाज़ा खोलकर भागा। कुमार ने बताया कि शिकायत में महिला ने कहा है कि वह जब घर के अंदर पहुंची तो उसकी नातिन निर्वस्त्र हालत में पड़ी रो रही थी। शिकायत के अनुसार, पीड़िता ने अपने परिजनों को बताया कि मंजर खान ने उससे दुष्कर्म किया है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस बच्ची के कपड़े बरामद करने के लिये खान को उसकी बतायी हुई जगह खाड़पाथर के जंगल में लेकर गई थी।

सोचा नहीं होगा, ऐसी सजा देंगे

■ **पहलगाम अटैक पर पहली बार बोले PM नरेंद्र मोदी**

मधुबनी. पीएम नरेंद्र मोदी ने पंचायती राज दिवस के मौके पर बिहार के मधुबनी जिले में एक सरकारी आयोजन में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। यही नहीं उन्होंने रैली में आए हजारों लोगों से कुछ पल का मौन रखने और मारे गए लोगों को नमन करने को कहा। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं अपनी बात प्रारंभ करने से पहले आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप जहां हैं, वहीं पर बैठकर 22 तारीख को जिन परिवार जनों को हमने खोया है, उनको श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ पल मौन रखें। अपने-अपने आराध्य देवता का स्मरण करते हुए उनको श्रद्धांजलि देंगे। उसके बाद ही मैं अपनी बात प्रारंभ करूंगा।'

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है। हर कोई दुखी है। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवार जनों का अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों। इसके लिए भी सरकार प्रयास कर रही है। आतंकी हमले में किसी ने अपने बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था और कोई

मराठी, उड़िया, गुजराती और कोई बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है। हमारा आक्रोश एक जैसा है। यह हमला निहत्थे पर्यटकों पर ही नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है।

PM मोदी बोले- ऐसी सजा देंगे कि सोचा नहीं होगा

पीएम मोदी ने कहा कि मैं बहुत स्पष्ट कहूंगा कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकियों और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। इन लोगों को सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों ने सोचा भी नहीं होगा। हम लोग ऐसी सजा देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति और सुरक्षा विकास की जरूरी शर्त है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को ही सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की मीटिंग बुलाई थी। इस बैठक के बाद सिंधु जल समझौते को रोकने, दूतावास से स्टाफ कम करने और पाकिस्तानियों के लिए वीजा रद्द करने का फैसला लिया गया था। कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य ताकत का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

आतंक के खिलाफ सरकार के हर कदम के साथ, सभी ऐक्शन का समर्थन

सर्वदलीय बैठक के बाद बोले राहुल

नई दिल्ली. मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने कहा है कि वह आतंक के खिलाफ सरकार के हर कदम के साथ है। सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदम और सभी तरह के ऐक्शन का समर्थन करती है।

भारत के ऐक्शन से बौखलाया पाक

■ **सिंधु जल समझौता पर विश्व बैंक के सामने गिड़गिड़ाने की तैयारी**

नई दिल्ली. पहलगाम में हुए आंतकी हमले के बाद इस बार पाकिस्तान के प्रति भारत के तेवर तीखे हैं। इस बार लहजा भी बिल्कुल साफ है कि अब भारत और बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत की तरफ से सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के एलान के बाद पाकिस्तान के होश उड़ चुके हैं। पाकिस्तान की से आ रही बौखलाहट भरी आवाजें बताती हैं कि कैसे भारत की तलाड़ ने उसके होश फाख्ता कर दिए हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का गुस्से से भरा बयान आया कि अगर भारत ने कोई गलती की तो पाकिस्तान जवाब देगा। लेकिन वो भूल जाते हैं कि 2019 में अभिनंदन की चाय अब भी गर्म याद की तरह भारत में मौजूद है। भारत अब चुप बैठने वाला नहीं, और ये बात पाकिस्तान को अच्छे से समझ लेनी चाहिए।

विश्व बैंक हमारा निगेहबान: पाकिस्तान

ख्वाजा आसिफ और विदेश मंत्री इशाक डार दोनों मिलकर अब ये राग अलाप रहे हैं कि भारत की हरकतें अवांछनीय हैं, और पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। लेकिन सच्चाई ये है कि भारत के इस कदम से पाकिस्तान की रीढ़ में सिहरन दौड़ गई है। अब ये लोग सिंधु जल संधि की दुहाई देकर विश्व बैंक के सामने गिड़गिड़ाने की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें उम्मीद है कि कोई तो उनकी बात सुनेगा।

भारत ने केवल जल संधि ही नहीं रोकी, बल्कि अटारी-वाघा बॉर्डर पर आम नागरिकों की आवाजाही भी ठप कर दी है। अपने स्टाफ को वापस बुला लिए हैं और पाक उच्चायोग से भी सैन्य सलाहकारों को चलता कर दिया गया है। ये सब दर्शाता है कि अब भारत की कूटनीति नरम नहीं बल्कि बेहद कड़ी हो चुकी है।

ट्रेड डील पर साइन करने वाला पहला देश बन सकता है भारत

नई दिल्ली. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए रेसिप्रोकल टैरिफ से आए वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। भारत जल्द ही अमेरिका के साथ बिलेटरल ट्रेड डील पर दस्तखत करने वाला पहला देश बन सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस संकेत के साथ कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अंतिम चरण में है।

अगर यह डील तय हो जाती है, तो भारत ट्रंप की 'रेसिप्रोकल टैरिफ' नीति से बचने वाला पहला देश बन जाएगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं।

अमेरिका फिलहाल भारत के निर्यात पर 10% टैरिफ लगा रहा है, लेकिन 26% तक का भारी शुल्क लगाने की चेतावनी दे चुका है, जिसे 90 दिनों के लिए स्थगित किया गया है और यह 8 जुलाई को खत्म हो रहा है।

अमेरिका ने क्या कहा

बेसेंट ने वॉशिंगटन में एक राउंडटेबल बातचीत में कहा, "भारत के पास ऊंचे टैरिफ नहीं हैं, गैर-टैरिफ अड़चनें भी कम हैं। न कोई करंसी मैनिपुलेशन है और न ही भारी सब्सिडी – ऐसे में भारत से डील करना अपेक्षाकृत आसान है।" यह बयान ऐसे वक्त आया है जब अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी जयपुर दौरे पर भारत से बाजार खोलने, अमेरिकी एनर्जी और डिफेंस प्रोडक्ट्स की खरीद बढ़ाने की मांग कर चुके हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार

अमेरिका का 2024 में भारत से व्यापार घाटा $45.7 अरब था। भारत से अमेरिका को 3% आयात मिला। दोनों देशों के बीच लगातार संबंध प्रगाढ़ हो रहे हैं।

रेसिप्रोकल टैरिफ

ट्रंप की नीति के तहत अगर कोई देश अमेरिकी सामानों पर ज्यादा शुल्क लगाता है, तो अमेरिका उसी अनुपात में जवाबी टैरिफ लागू करता है। भारत के लिए यह 26% तक हो सकता है, जो

अटारी बॉर्डर पर तनाव

आज अटारी-बाघा बॉर्डर पर हुई रिट्रीट सेरेमनी पर भी दोनों देशों के तनाव का असर देखने को मिला। अमृतसर में अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी के दौरान दोनों देशों के गेट नहीं खोले गए। बंद गेटों के बीच दोनों देशों के झंडे उतारे गए। बीएसएफ जवानों ने पाक रेंजर्स से हाथ भी नहीं मिलाया। आज सेरेमनी में लोगों की संख्या भी कम रही। रोजाना करीब 20 हजार लोग पहुंचते थे, लेकिन आज को सिर्फ 10 हजार लोग ही पहुंचे। इस दौरान लोगों ने हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए।

उत्तराखंड में कश्मीरी छात्रों को देहरादून छोड़ने की धमकी

देहरादून. पहलगाम आतंकी घटना के बाद उत्तराखंड के देहरादून में पढ़ रहे कश्मीरी छात्र कई संगठनों के निशाने पर आ गए। कई संगठनों और लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और मैसेज डालकर उन्हें देहरादून छोड़ने की धमकी दे डाली।

इस पर पुलिस अलर्ट हो गई है। पुलिस अफसरों का कहना कि आतंकियों के खिलाफ आक्रोश की आड़ में निर्दोष लोगों को निशाना बनाया गया तो ऐसे लोगों पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी देहरादून के

आक्रोश बढ़ाने वाली 25 पोस्ट हटवाई

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर आक्रोश बढ़ाने वाली 25 पोस्ट को जिला पुलिस ने हटवा दिया। सोशल मीडिया पर काफी लोग घटनाक्रम को लेकर संवेदना जता रहे हैं। इस बीच कुछ लोग धार्मिक माहौल बिगाड़ने वाली पोस्ट सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। इन पोस्टों से माहौल खराब होने की संभावना के बीच जिले का सोशल मीडिया सेल, इंटेलिजेंस और जनसंपर्क विभाग सोशल मीडिया मॉनिटरिंग में अलर्ट पर है।

कई संस्थानों में काफी संख्या में कश्मीरी छात्र पढ़ाई करते हैं।

सोशल मीडिया पर कई ऐसी पोस्ट की गई, जिनके जरिए देहरादून में रहकर पढ़ाई कर रहे कश्मीरी छात्रों को यहां से वापस जाने की धमकी दी गई। इन पोस्टों की सूचना एसएसपी अजय सिंह के पास पास पहुंची। इसके बाद पुलिस ने ऐसी पोस्ट डालने वालों को हिदायत दी। साथ ही कश्मीरी मूल के छात्रों से संपर्क करते हुए उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि हमले के प्रति लोगों का आक्रोश जायज है। लेकिन, शिक्षा ग्रहण करने यहां आए निर्दोषों को निशाना बनाया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने कहा कि इतनी बड़ी घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का आक्रोश जाहिर है। इस बीच कुछ लोग भड़काने वाली पोस्ट कर रहे हैं। पुलिस की ओर से ऐसी पोस्ट को सोशल मीडिया से हटवाया गया है।

भीषण अग्निकांड में दस घर खाक

■ **पांच साल की बच्ची जिंदा जली**

लखीमपुर. लखीमपुर में भीषण आग हादसा हो गया। इसमें एक बच्ची की जिंदा जलकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि लखीमपुर में ईसानगर थाना क्षेत्र के बीरसिंहपुर गांव में बुधवार रात अचानक आग लग गई। आग लगने के दौरान घर के अंदर सो रही एक पांच वर्षीय बालिका की

जलकर मौत हो गई। अग्निकांड में दस घर जलकर राख हो गए। दमकल विभाग और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार बुधवार की देर रात ईसानगर के बीरसिंहपुर गांव में अचानक आग लग गई। गांव के रहने वाले रामस्वरूप के घर से आग की लपटें उठने लगीं। जिस वक्त आग लगी उस समय गांव के ज्यादातर लोग सो रहे थे। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग विकराल रूप ले चुकी थी। ग्रामीण आग बुझाने दौड़े तब तक आग की लपटों में पूरा घर जलने लगा। देखते ही देखते आग ने गांव के दस अन्य घरों को चपेट में ले लिए।

पहलगाम हमले के बाद तेजी से कश्मीर छोड़ रहे सैलानी

■ **रेलवे ने शुरू की 'कटरा टू दिल्ली' स्पेशल ट्रेन**

पहलगाम आतंकी हमले के बाद सैलानी तेजी से कश्मीर घाटी छोड़ रहे हैं। पर्यटकों की सुरक्षा और मदद के मद्देनजर भारतीय रेलवे ने गुरुवार को एक और विशेष ट्रेन कटरा से नई दिल्ली के लिए रवाना की। यह ट्रेन दोपहर

1:30 बजे कटरा रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन रास्ते में उधमपुर व जम्मू स्टेशनों पर रुकेगी।

नॉर्दर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि "04614 विशेष ट्रेन में अब भी करीब 1150 बर्थ खाली हैं। ट्रेन श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन से चलकर नई दिल्ली के लिए रवाना हुई है और यह उधमपुर तथा जम्मू स्टेशनों पर रुकेगी।" बुधवार को भी रेलवे ने पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए दो विशेष अनारक्षित ट्रेनें चलाई थीं। पहली ट्रेन बुधवार रात 9:20 बजे कटरा से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। रेलवे के मुताबिक विशेष ट्रेन में सात सामान्य डिब्बे, आठ स्लीपर कोच, दो तृतीय एसी कोच, एक थर्ड एसी इकोनॉमी कोच और दो लगेज-वैन कोच शामिल हैं।

एनएच 44 पर ट्रैफिक सुचारू

इधर, भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-44) पर यातायात धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है। एनएचएआई प्रोजेक्ट मैनेजर परशोत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि "रम्बन जिले में करीब 4 किलोमीटर लंबे क्षतिग्रस्त हिस्से पर एक लेन में ट्रैफिक चलाया जा रहा है। अब तक 4000 से ज्यादा हल्के व भारी वाहन गुजर चुके हैं।"

गौतम गंभीर को जान से मरने की धमकी

■ **ISIS कश्मीर ने लिखा- I KILL U;**

■ **4 साल पहले भी ऐसा ही मेल मिला था**

भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को आईएसआईएस कश्मीर नाम की मेल आईडी से दो मेल आए। दोनों में लिखा था- आई किल यू।

इसके बाद गौतम ने गुरुवार को दिल्ली के राजेंद्र नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। गंभीर ने पुलिस से परिवार और करीबी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। गंभीर को नवंबर 2021 में भी धमकीभरा मेल आया था। तब वे पूर्वी दिल्ली से सांसद थे।

गंभीर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी

गंभीर ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की और इसका करारा जवाब देने की मांग की थी।

गंभीर ने X पर लिखा था कि मृतकों के परिवारों के लिए प्रार्थना। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

पहलगाम में मंगलवार को बायसरन घाटी में आतंकवादियों की ओर से की गई गोलीबारी में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LET) की विंग द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी।

गंभीर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से टीम इंडिया के हेड कोच हैं

गौतम गंभीर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से टीम इंडिया के हेड कोच हैं। इससे पहले वह IPL फ्रेंचाइजी KKR के साथ जुड़े हुए थे। वहीं गंभीर की अगुआई में टीम इंडिया ने हाल ही में पाकिस्तान और दुबई में हुई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया।

पाकिस्तानी आकाओं से मिला था निर्देश

■ **30 मिनट चला नरसंहार**

■ **पहलगाम हमले की FIR में खुलासा**

पहलगाम. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में हुए आतंकी हमले को लेकर दर्ज की गई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एफआईआर के अनुसार यह हमला पूरी तरह से पूर्व नियोजित था और इसे आतंकियों ने सीमा पार मौजूद अपने हैंडलर्स के निर्देश पर अंजाम दिया। आतंकियों ने अवैध रूप से प्राप्त ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए करीब 30 मिनट तक अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें 26 पर्यटकों

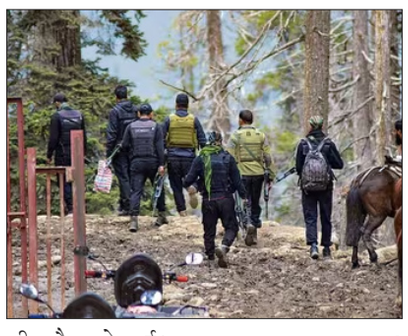

की मौत हो गई। यह हमला मंगलवार (22 अप्रैल) को दोपहर 1.50 बजे से 2.20 बजे के बीच हुआ।

हमलावर फौजी वर्दी में थे और वे अचानक बैसारन घाटी से लगे घने चीड़ के जंगलों से बाहर निकले। उस समय पर्यटक घुड़सवारी, पिकनिक और हरियाली का आनंद ले रहे थे। अचानक गोलियों की आवाज और चीख-पुकार मच गई। कुछ ही मिनटों में कई लोग जमीन पर गिर चुके थे और कई घायल हो गए।

पुलिस को हमले की जानकारी दोपहर 2.30 बजे मिली

रिपोर्ट के मुताबिक, एफआईआर में कहा गया है कि पुलिस स्टेशन को हमले की जानकारी दोपहर 2.30 बजे मिली, और जब तक सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक हमलावर भाग चुके थे। चूंकि बैसारन तक कोई मोटरेबल रोड नहीं है, इसलिए सुरक्षाबलों को पहुंचने में काफी वक्त लग गया।

एफआईआर में कहा गया है, ₹पुलिस स्टेशन को विश्वसनीय स्रोतों से सूचना प्राप्त हुई कि बैसारन, पहलगाम में अज्ञात आतंकवादियों ने सीमा पार स्थित अपने आकाओं के निर्देश पर अवैध ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल कर एक पूर्व नियोजित हमला किया है।₹ एफआईआर में यह भी जिक्र किया गया है कि इस हमले का उद्देश्य केवल हत्या करना नहीं था, बल्कि जनता में भय और दहशत फैलाना भी था।

मस्जिदों से आतंकियों के खिलाफ बोल रहे इमाम

■ **पूरा कश्मीर गुस्से में बंद: गुलाम नबी आजाद**

जम्मू. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 पर्यटकों के कत्ल पर पूरे देश में उबाल है। यूपी, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक समेत कई राज्यों के लोगों को आतंकियों ने मजहब पूछकर मार डाला। आतंकियों ने हर उस शख्स को मौत के घाट उतार दिया, जो कलमा नहीं पढ़ पाए और अपना धर्म इस्लाम से अलग बताया। कश्मीर में लंबे समय बाद ऐसा हुआ, जब पर्यटकों पर आतंकवादियों ने इस तरह हमला कर दिया। इससे कश्मीर में टूरिजम इंडस्ट्री पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। इसके अलावा सरकार की ओर से बीते एक दशक में जो भरोसा कायम करने की कोशिश हुई है, उसे भी बौखलाए आतंकियों ने कमजोर करने की कोशिश की है।

इस बीच पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद ने हमले की निंदा की है तो वहीं यह भी कहा कि कश्मीर अब काफी बदल चुका है। उन्होंने कहा कि अब कश्मीर में लोगों को आतंकवादियों का कोई डर नहीं है। सब लोग खुलकर उनकी निंदा करते हैं। गुलाम नबी आजाद ने कहा, 'पहले कश्मीर में ऐसी घटनाओं की निंदा किया जाना दुर्लभ बात थी। ऐसा शायद इसलिए होता था क्योंकि कश्मीर के लोगों को उग्रवादियों का डर होता था कि यदि उनके खिलाफ बोले तो जान खतरे में आ जाएगी। लेकिन ऐसा पहली बार मैं देख रहा हूं कि आतंकी हमले से पूरे कश्मीर में लोग सदमे और शोक में है। हर गांव, जिला और शहर में बंद का आयोजन किया गया है। सन्नाटा पसरा है।'

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि एक समय तो ऐसा था कि जम्मू-कश्मीर की कुछ मस्जिदों से उग्रवादियों के समर्थन में भाषण दिए जाते थे। उन्हें सहयोग करने की माइक पर अपील की जाती थी। लेकिन पहली बार देख रहा हूं कि मस्जिदों से इमाम आतंकियों के खिलाफ बोल रहे हैं। वे आतंकियों की खुलकर निंदा कर रहे हैं। बता दें कि हमले को लेकर गुलाम नबी आजाद ने दुख जताया है। उन्होंने मंगलवार को ही कहा था कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में आतंकी घटनाओं पर लगाम कसने में मदद मिली है।

बार काउंसिल सदस्य ही बनेंगे वक्फ बोर्ड मेंबर

■ **SC बोला- मुस्लिम होना अनिवार्य, 2 शर्तें लागू कीं**

■ **मणिपुर हाईकोर्ट के फैसले को पलटा**

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राज्य वक्फ बोर्ड में नियुक्ति को लेकर अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- राज्य बार काउंसिल का एक्टिव मेंबर ही राज्य वक्फ बोर्ड का सदस्य बन सकता है।

जस्टिस एम.एम.सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि वक्फ

बोर्ड का सदस्य बनने के लिए 2 अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी।

पहली- व्यक्ति मुस्लिम समुदाय से हो। दूसरी- संसद, राज्य विधानसभा या बार काउंसिल के सदस्य के रूप में सक्रिय पद हो।

सुप्रीम कोर्ट मणिपुर हाईकोर्ट के उस फैसले को गलत बताया, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि कानून में स्पष्ट नहीं है कि बार काउंसिल से बाहर होने पर वक्फ बोर्ड की सदस्यता भी समाप्त हो जाएगी।

जानिए पूरा मामला...

राज्य वक्फ बोर्ड का यह मामला मणिपुर के मोहम्मद फिरोज अहमद खालिद से जुड़ा था, जिन्हें फरवरी 2023 में मणिपुर वक्फ बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया था। वह दिसंबर 2022 के चुनाव में बार काउंसिल का सदस्य बनने के बाद वक्फ बोर्ड में शामिल हुए थे। उन्होंने उस व्यक्ति की जगह ली थी, जो बार काउंसिल का चुनाव हार गया था। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने खालिद की नियुक्ति को वैध ठहराया था, लेकिन डिवीजन बेंच ने इस फैसले को पलटते हुए कहा था कि कानून में यह स्पष्ट नहीं है कि बार काउंसिल से बाहर होने पर वक्फ बोर्ड की सदस्य समाप्त हो जाएगी। SC ने बताया कि वक्फ कानून के अनुसार, बार काउंसिल की सदस्यता अगर समाप्त हो जाती है, तो वक्फ बोर्ड की सदस्यता अपने आप रद्द मानी जाएगी।

संक्षेप...

55 वर्षीय व्यक्ति पत्नी के हत्या के आरोप में गिरफ्तार

पालघर. महाराष्ट्र के पालघर जिले में 55 वर्षीय एक व्यक्ति को उसकी पत्नी के हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी को अपनी पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का संदेह था। विरार इलाके के नरेश पाटिल वाड़ी स्थित एक फार्महाउस में अज्ञात महिला का शव और पास में खून से सना पत्थर मिला था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

जम्मू से 75 यात्रियों को लेकर मुंबई पहुंची फ्लाइट

■ एयरपोर्ट से बाहर आते ही लोग बोले- धरती का स्वर्ग अब डर का दूसरा नाम है

मुंबई. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को दहला दिया है. खूबसूरत वादियों में घटी इस दिल दहला देने वाली वारदात में 26 बेगुनाह पर्यटकों की जान चली गई. वहीं दूसरी ओर इस हमले के बाद गुरुवार तड़के जम्मू से एक विशेष विमान के जरिए 75 पर्यटकों को मुंबई लाया गया. इन लोगों के चेहरे पर घर लौटने की राहत थी, मगर आंखों में उस खौफ की झलक भी साफ देखी जा सकती थी, जो उन्होंने कश्मीर की धरती पर देखा.

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरा देश गुस्से में है. इस घटना के बाद जब 75 पर्यटक मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचे तो शिवसेना के विधायक मंगेश कुडालकर और राहुल कनाल ने इन यात्रियों का स्वागत किया. सुबह करीब साढ़े चार बजे जब पर्यटक बाहर निकले, तो उनके चेहरों पर घर लौटने की राहत तो थी, लेकिन आंखों में खौफ भी था.

एक पर्यटक ने बताया कि वे हमले से कुछ ही मिनट पहले उस इलाके से निकले थे, जहां हमला हुआ. उन्होंने कहा कि पहली बार लगा कि धरती का स्वर्ग कहलाने वाला कश्मीर अब डर का दूसरा नाम बन चुका है. हम सिर्फ घर पहुंचना चाहते थे. एक अन्य पर्यटक ने कहा कि नाम पूछकर मारना बेहद गलत है. कश्मीरी लोग अच्छे हैं, लेकिन इस हमले का असर उनकी जिंदगी पर भी पड़ेगा. अब होटल खाली हैं, और पर्यटक लौट गए हैं.

कई यात्रियों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था सख्त थी, हर जगह सेना और CISF के जवान मौजूद थे. जाम में फंसे रहे, लेकिन अब मुंबई पहुंचकर थोड़ा सुकून है. राहुल कनाल ने कहा कि पूरा देश इस दर्दनाक हादसे में पीड़ित परिवारों के साथ है. हम हमेशा बड़े भाई का फर्ज निभाते रहे, लेकिन अब पाकिस्तान को जवाब देने का समय आ गया है.

हर साल लाखों लोग कश्मीर की खूबसूरती देखने पहुंचते हैं, लेकिन आतंकियों की इस नापाक हरकत ने न सिर्फ 28 परिवारों की खुशियां छीन लीं, बल्कि उन कश्मीरी लोगों की भी रोजी-रोटी छीन ली, जिनका घर पर्यटकों से चलता था.

भीषण गर्मी से आंखों को खतरा

■ तेज धूप के कारण सूखी आंखें, खुजली, जलन, सूजन की संभावना

■ इससे बचने के लिए धूप का चश्मा पहनें,आँख न रगड़ें, टोपी या छाता का करें उपयोग

ठाणे. अप्रैल माह में भीषण गर्मी और तेज धूप के कारण नागरिक परेशान हो गए हैं।शहर में तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने के साथ ही आंखों की समस्याएं बढ़ रही हैं।ठाणे सिविल अस्पताल के नेत्र विभाग में आंखों की जांच के लिए आने वाले मरीजों के साथ-साथ, धूप की तीव्रता के कारण सूखी, खुजली, जलन, सूजन या लगातार पानी आने वाली आंखों के इलाज के लिए मरीज आ रहे हैं।गर्मियों के दौरान ठाणे में अधिकतम तापमान अक्सर 34 से 35 डिग्री सेल्सियस रहता था।पिछले कुछ वर्षों में तापमान में वृद्धि हुई है।तेज धूप के कारण दोपहर में घर से बाहर निकलने का मन नहीं करता।इसलिए आंखों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शुभांगी अंबाडेकर ने बताया कि सिविल अस्पताल के नेत्र विभाग में धूप के कारण आँखे सूजी हुई, लाल, पानी आने वाली और सूजन वाली आंखों के मरीजों का इलाज किया जा रहा है।कंजक्टिवाइटिस एक संक्रामक रोग जो तेजी से बढ़ रहा है। जिसके कारण आंखों में सूजन और पानी आने जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं।प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता फोटोफोबिया इसके लक्षणों में प्रकाश के प्रति असहिष्णुता और सूर्य के कारण आंखों से पानी आना शामिल है।धूप में चलते समय अपनी आँखों की सुरक्षा के लिए अच्छे धूप के चश्मे का प्रयोग करें। अपनी आंखों को न रगड़ें। यदि आपको असुविधा महसूस हो तो उन्हें साफ कपड़े से धीरे से पोंछ लें। टोपी या छाते का प्रयोग करें। 20 फीट दूर स्थित डिजिटल स्क्रीन को देखें। अपने मोबाइल फोन को लगातार न देखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना महत्वपूर्ण है।गर्मियों में अपनी आँखों का ख्याल रखना बहुत ज़रूरी है। आपको दिन में कम से कम दो बार अपनी आँखों को ठंडे पानी से धोना चाहिए। अगर आपको आँखों की गंभीर समस्या हो रही है, तो आपको कोई घरेलू उपाय आजमाने के बजाय अस्पताल में किसी नेत्र चिकित्सक से मिलना चाहिए।

ट्रैफिक समाधान के लिए प्रशासक अनमोल सागर का ऐलान

सड़क पर लावारिस छोड़े गए वाहनों को मनपा करेगी जब्त

■ वाहन मालिकों से जुर्माना भी वसूल करेगी मनपा

भिवंडी. भिवंडी निजामपुर सिटी महानगर पालिका द्वारा मनपा क्षेत्र से अवैध रूप से छोड़े गए वाहनों/लावारिस वाहनों को हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है. जिसके चलते सभी नागरिकों को भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका सीमा के भीतर अवैध रूप से छोड़े गए वाहनों/या लावारिस वाहनों को तुरंत हटाने का आदेश दिया गया है.मनपा प्रभारी वाहन विभाग प्रबंधक प्रशांत संखे ने शहरवासियों से अपील किया है कि, भिवंडी मनपा की सीमा के अंतर्गत सड़कों, फुटपाथों एवं मनपा के अन्य क्षेत्रों में अवैध रूप से वाहन पार्क न किए जाएं. यदि वाहन को शीघ्र नहीं हटाया गया तो मनपा द्वारा वाहन को हटा दिया जाएगा तथा वाहन को हटाने की लागत (टोइंग और पार्किंग) के साथ-साथ आर्थिक जुर्माना भी वसूला जाएगा.

विदित हो कि, महाराष्ट्र प्रांतीय नगर निगम अधिनियम, 1949 की धारा 230 और 231 के अनुसार, मनपा आयुक्त को बिना नोटिस दिए मनपा क्षेत्र के भीतर सड़कों या फुटपाथों पर खड़े वाहनों को हटाने का अधिकार के तहत ट्रैफिक जाम सुधार की खातिर प्रशासक आयुक्त अनमोल सागर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने में जुट गए है और शहरवासियों से सहयोग की अपील की है.

विदित हो कि,भिवंडी शहर के सभी प्रमुख मार्गों के किनारे वाहन चालकों द्वारा नियमों की अनदेखी कर दुपहिया,तिपहिया,चार पहिया सहित मालवाहक ट्रक खड़े कर दिए जाते हैं.अधिसंख्यक बंद पड़े वाहन भी सड़कों, फ्लाइओवर के नीचे खड़े रहते हैं. लापरवाह वाहन मालिकों द्वारा सड़क किनारे खड़े किए जाने वाले वाहनों से शहर में भयंकर जाम का सामना लोगों को नित्य करना पड़ता है.ट्रैफिक विभाग भी ऐसे वाहन चालकों के सामने कार्यवाही से लाचार होता रहा है.शहर

स्थित कई ठिकानों निजामपुरा, गैवीनगर, भिवंडी कल्याण मार्ग,आस बीबी खदान रोड,तीन बत्ती रोड, जूना मुंबई आगरा रोड, धामणकर नाका आदि व्यस्तम मार्गों के किनारे सैकड़ों वाहन खड़े रहते हैं जिससे जाम लगना स्वाभाविक है.निजामपुर क्षेत्र में तो मोटर बाइक विक्री दुकानदारों ने तो अपने फायदे की खातिर दुकानों के सामने बाइक खड़ी कर आधी सड़क को ही अवरुद्ध कर रखा है.फ्लाइओवरो के नीचे खड़े खराब वाहनों से शहर भी विद्रूप दिखाई पड़ता है.प्रशासक अनमोल सागर के जनहित निर्णय से शहरवासियों में खुशी फैली है.

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के कारण

मंत्री प्रताप सरनाईक के सभी जन्मदिन समारोह रद्द -पूर्वेश

■ पुर्वेश सरनाईक की ओर से शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

ठाणे. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकवादी हमले में दुर्भाग्यवश देश के 27 पर्यटक मारे गए। यह बहुत ही चौंकाने वाली और मन को झकझोर देने वाली घटना है। शिवसेना की युवा सेना इस घटना में मारे गए पर्यटकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।साथ ही परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के जन्मदिन पर होने वाले सभी कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया।साथ ही युवा सेना पूर्वेश सरनाईक ने कहा कि इस कायराना हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस संबंध में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह व्यक्तिगत रूप से ध्यान दे रहे हैं और वे इसमें सफल होंगे। इस घटना में यह सुनिश्चित करने के बाद कि पर्यटक मुसलमान नहीं थे, उनकी हत्या कर दी गई। यह बहुत ही अपमानजनक मामला है और मानवता पर कलंक लगाने वाली इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है।हम इन हमलों में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के दुख में शामिल हैं और अपनी व्यक्तिगत खुशी को एक तरफ रखते हुए, हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान उन्हें इस परिवार पर आई आपदा का सामना करने के लिए साहस और शक्ति प्रदान करें।

आम सूचना

मैं श्री सुरेश राजकुमार भागचंदानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 103, पहला माला, शिव शक्ति कालोनी, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीओ009714900) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनोज के. पंजवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 14 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 14 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुरेश राजकुमार भागचंदानी

पब्लिक नोटीस

हमारे मुवक्कील **[1] श्री गब्बर मुरारीसिंह नेगी, [2] श्रीमती फूलादेवी मुरारीसिंह नेगी,** पता 7/203, चंद्रेश एकॉर्ड सीएचएस लिमिटेड, मीरा भयंदर रोड ईस्ट, मीरा रोड, ठाणे - 401107 में रहते हैं, इस नोटिस के माध्यम से सभी जनता को सूचित करना चाहते हैं कि,

श्री गब्बर मुरारीसिंह नेगी, श्रीमती फूलादेवी मुरारीसिंह नेगी और मुरारी सिंह लाल सिंह नेगी यह फ्लैट नंबर 203, बिल्डिंग नंबर 7, चंद्रेश एकॉर्ड सीएचएस लिमिटेड, मीरा भयंदर रोड, सिल्वर पार्क के सामने, मीरा रोड । पूर्व, ठाणे - 401017 के मालिक हैं। उन्होने यह फ्लैट श्री उमेश भीकाजी अईर से पंजीकृत दस्तावेज संख्या टीएनएन 10/04103/2009 के तहत दिनांक 18/06/2009 को खरेदी किया है. **श्री मुरारी सिंह लाल सिंह नेगी** जिनका **29.01.2013** को उमराव अस्पताल, मीरा रोड, जिला- ठाणे में निधन हो गया है और उनके पीछे कानूनी उत्तराधिकारी [1] फुलादेवी मुरारीसिंह नेगी (पत्नी) [2] गब्बर मुरारीसिंह नेगी (पुत्र) [3] दशरथ मुरारीसिंह नेगी (पुत्र) और [4] आशा प्रीतम सिंह (बेटी) हैं।

उक्त फ्लैट को हमारे मुव्वकील उनके परिवार की वित्तीय समस्या के कारण गिरवी रखेंगे। इसलिए किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों को उक्त फ्लैट को गिरवी रखने पर कोई आपत्ति है या उनके पास उत्तराधिकार, उत्तराधिकार या गिरवी, पट्टा, लीव एंड लाइसेंस, बिक्री या ग्रहणाधिकार, ट्रस्ट, सुखभोग, लाइसेंस, किरायेदारी, निषेधाज्ञा, कब्जा, विनिमय, आयकर अधिकारियों की कुर्की या अन्य किसी भी तरह से कोई दावा, अधिकार, शीर्षक या हित या उसका कोई हिस्सा है, उनसे अनुरोध है कि वे प्रकाशन की तिथि से सात दिन (07) के भीतर लिखित रूप में नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सहायक दस्तावेजों के साथ अवगत कराएं, ऐसा न करने पर ऐसे सभी दावे और / या आपत्तियां, यदि कोई हों, माफ और त्याग दी गई मानी जाएंगी।

सही/-
एड. मोहिनी विष्णू सातवे (शिरीसकर)
पत्ता- साई सत्यम रेसिडेन्सी, एफ-विंग,
सदनिका नं. २०२, रोनक सिटी, आधारवाडी,
कल्याण (प.), जि. ठाणे.
Mob.No. 9867608672

कूड़ा करकट व डेब्रिज को लेकर त्रिसूत्रीय कार्यक्रम

वैकल्पिक कचरा प्रबंधन, जनसंवाद और दंडात्मक कार्रवाई - मनपा आयुक्त सौरभ राव ने दिया निर्देश

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत हर जगह कूड़ा-कचरा देखा जा रहा है, घरों के पास, दुकानों के बाहर, चौराहों और सड़कों पर कूड़ा-कचरा, मलबा और टूटे हुए फर्नीचर फेंके जा रहे हैं।यह अस्वच्छ स्थिति न केवल शहर की सुंदरता को खराब करती है, बल्कि नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है।इस पर काबू पाने के लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने वैकल्पिक कचरा प्रबंधन, जनसंवाद और दंडात्मक कार्रवाई के त्रिसूत्रीय कार्यक्रम को लागू करने का निर्देश दिया है।जबकि मनपा द्वारा प्रतिदिन कचरा हटाया जाता है, फिर भी यह ढेर अस्वास्थ्यकर स्थिति पैदा कर रहे हैं। नागरिकों को असुविधा होती है और यातायात बाधित होता है। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी समय-समय पर ऐसे स्थानों के संबंध में निर्देश दिए हैं और गंदगी को लेकर नाराजगी जताई है। इस अहम मुद्दे को लेकर आयुक्त कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, उपायुक्त मनीष जोशी, शंकर पटोले, दिनेश तायडे, उपनगर अभियंता सुधीर गायकवाड़, सभी सहायक आयुक्त, सभी कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे।इस समस्या को देखते हुए समाधान के रूप में सभी सहायक आयुक्त, अधिशासी अभियंता एवं सफाई निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में कूड़ा करकट से निजात दिलाने के लिए जगह की पहचान करें। वहां कचरा उठाने का विकल्प होना चाहिए तथा वहां के नागरिकों और दुकानदारों से कचरा और मलबा न डालने के बारे में संवाद होना चाहिए। इसके बाद भी यदि वहां कचरा या मलबा पाया जाता है तो सभी संबंधितों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ऐसा निर्देश आयुक्त राव ने दिया है। स्थानीय समुदायों में स्वच्छता के प्रति जागरूक लोगों का एक कैडर बनाया जाना चाहिए। इनके माध्यम से संवाद करने से कूड़ा-कचरा फैलने से रोका जा सकेगा। आयुक्त राव ने स्पष्ट किया कि यदि इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ तो संबंधित लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का विकल्प खुला रहेगा।इसके अलावा सभी अधिकारियों को पानी के रिसाव, खराब सड़कों तथा पेड़ों की कटी हुई शाखाओं के प्रति सतर्क रहना चाहिए तथा ऐसे मामलों को तुरंत संबंधित विभाग के

90 लाख रुपये की हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी के आरोप में कैब ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबई. चेन्नई के कैब ड्राइवर को मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स ने बैंकॉक से 90 लाख रुपये की हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसने अपने हैंडलर के बारे में जानकारी दी है। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि हैंडलर ने बैंकॉक की यात्रा के सभी खर्चे चुकाए थे और माल की सफल डिलीवरी के लिए 20,000 रुपये देने का वादा किया था। कस्टम सूत्रों के अनुसार, खुफिया जानकारी मिली थी कि संगीश खान कुप्पाई कानी खान साहिब नामक यात्री अपने बैगेज में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत आने वाला कोई मादक पदार्थ छिपाकर ले जा रहा है।

रितेश देशमुख की फिल्म की शूटिंग के दौरान डांसर लापता

मुंबई. फिल्म कंपनी की सतारा के निकट चल रही शूटिंग के दौरान एक डांसर के लापता हो जाने की सूचना फिल्म के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की गई है। जानकारी के अनुसार मुंबई फिल्म कंपनी नामक फिल्म निर्माण कंपनी की एक नई फिल्म की शूटिंग सतारा के पास चल रही थी। दो दिन की शूटिंग के बाद सारे कलाकार होटल लौट चुके थे, तभी पता चला कि उनकी टीम का एक सदस्य लापता है। शूटिंग खत्म होने के बाद क्र में शामिल कुछ लोग नदी में नहाने चले गए थे, और वहां तैरते समय सौरभ शर्मा नामक एक डांसर लापता हो गया। अभिनेता व निर्देशक रितेश देशमुख, फिल्म की निर्माता जेनीलिया देशमुख, कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा आदि तत्काल मौके पर पहुंचे।

पैपराजी पर फूटा सिद्धार्थ मल्होत्रा का गुस्सा

■ कहा- आप लोग ठीक से व्यवहार करें, पीछे हटें

■ यूजर बोले- बिल्कुल सही किया

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी जल्द ही मां बनने वाली हैं। उन्होंने और पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने नए मेहमान के स्वागत की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। बुधवार को सिद्धार्थ मल्होत्रा पत्नी कियारा के साथ मुंबई के एक अस्पताल के बाहर दिखे। उसी समय पैपराजी वहां पहुंच गए और आक्रामक तरीके से घेर कर उनकी तस्वीरें क्लिक करने लगे। सिद्धार्थ भड़क गए और पैपराजी को फोटो क्लिक करने से मना करते हुए वापस जाने को कहा। सोशल मीडिया पर यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

वीडियो में सिद्धार्थ मल्होत्रा पैपराजी को सख्त लहजे में चेतावनी देते कह रहे हैं, 'आप लोग ठीक से व्यवहार करें। एक सेकेंड, पीछे हटें।' एक्टर के इस चेतावनी को सोशल मीडिया पर यूजर्स सही बता रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा- सिद्धार्थ ने बिल्कुल सही किया। दूसरे यूजर ने लिखा है- उनकी प्राइवेसी में दखल ना करें। तो वहीं तीसरे ने लिखा है- उन्होंने सही किया, मीडिया को लाइन क्रॉस नहीं करनी चाहिए। एक और यूजर ने लिखा है- ईमानदारी से कहूं तो, इस तरह से व्यवहार करना बंद करो और भगवान के लिए उन्हें थोड़ी गोपनीयता दो! वे क्लिनिक जा रहे हैं यार।

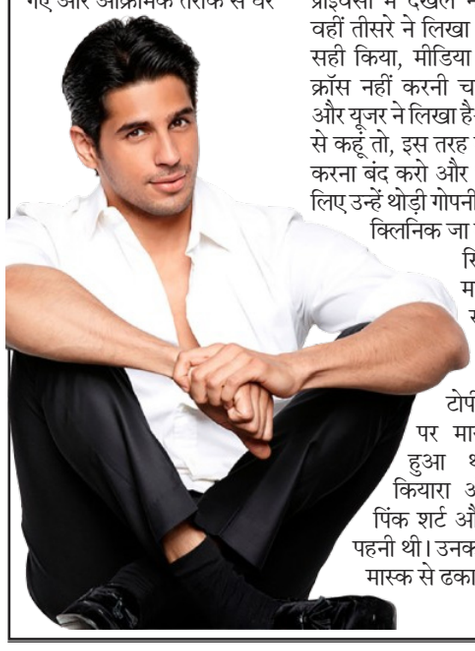

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने सफेद टी-शर्ट और ग्रे पैंट, टोपी और चेहरे पर मास्क पहना हुआ था। वहीं, कियारा ओवरसाइज पिंक शर्ट और बेज पैंट पहनी थी। उनका चेहरा भी मास्क से ढका हुआ था।

मां की गोद से छूटकर 21वीं मंजिल से गिरा बच्चा

■ मौत से सदमे में है परिवार

विरार. विरार में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है. सात महीने के एक बच्चे की 21वीं मंजिल से गिरकर दुखद मौत हो गई है, यह घटना बुधवार, 23 अप्रैल को दोपहर करीब 3.30 बजे विरार पश्चिम के जॉय विला कॉम्प्लेक्स स्थित पिनेकल सोसाइटी में घटी.

कैसे हुआ हादसा?

विक्की सेडानी और पूजा सेडानी नाम के दम्पति पिनेकल सोसाइटी की 21वीं मंजिल पर रहते हैं. उनका सात महीने का बेटा वृषांक उर्फ वेद सो नहीं पा रहा था, इसलिए पूजा सेडानी उसे गोद में उठाकर मास्टर बेडरूम में घूमाने लगी. उन्होंने बेडरूम में हवा आने के लिए बालकनी की स्लाइडिंग खिड़की खुली छोड़ दी थी. क्योंकि फर्श गीला था, उसका पैर फिसल गया और वह सीधे बालकनी की ओर गिर गई. इसी दौरान उनकी बाहों में जकड़ा वृषांक बालकनी से नीचे गिर गया.

सेडानी परिवार को सात साल बाद बच्चा हुआ था

मासूम को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सेडानी परिवार को सात साल बाद बच्चा हुआ था, इसलिए इस दुर्घटना ने उनके जीवन पर एक काला निशान छोड़ दिया है. इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से पूरी सोसायटी सदमे में है.

स्थानीय पुलिस जांच कर रही है और प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि यह घटना एक दुर्घटना थी. ऐसे में यह समझना जरूरी है कि माता-पिता को छोटे बच्चों की देखभाल करते समय अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है.

दो अज्ञात लोगों के खिलाफ गोहत्या और पशु क्रूरता कानून के तहत शिकायत दर्ज

मुंबई. हिंदू संगठनों की ओर से गाय और बैल की तस्करी कर वध करने की शिकायत के बाद मलाड पुलिस थाने ने दो अज्ञात लोगों के खिलाफ गोहत्या और पशु क्रूरता कानून के तहत शिकायत दर्ज की। जानवरों को ले जा रही वैन को हिंदू वाहिनी के सदस्यों ने तड़के ओरलेम के पास रोका। कार्यकर्ताओं द्वारा पूछताछ किए जाने पर चालक समेत दो लोग वाहन और जानवरों को छोड़कर भाग गए। मलाड पुलिस थाने ने महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम, 1986, जो गोहत्या पर प्रतिबंध लगाता है, और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। हिंदू वाहिनी के गोरक्षा प्रमुख रमणीक गुप्ता ने कहा कि उनके एक कार्यकर्ता साहिल जायसवाल ने सुबह 5 बजे मलाड पश्चिम के मार्वे रोड पर वाहन देखा।

सार्वजनिक नोटिस

मैं श्रीमती गौरीनंदा भगवान भोईर, घोषणा करती हूं कि मेरा पूर्व नाम गौरीनंदा कचरू घुसले था और अब मेरा नाम सही रूप से श्रीमती गौरीनंदा भगवान भोईर है। मेरे स्कूल प्रमाण पत्र पर मेरी जन्मतिथि भी गलत है 1/1/1976 तथा मेरी वर्तमान जन्मतिथि सही 1/9/1976 है। इसके अलावा, मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में मेरा नाम गौर्यनांदा (gourynanda) गलत है। मेरा नया नाम गौरीनंदा भगवान भोईर है, लेकिन अगर किसी को कोई आपत्ति है, तो वे (15) दिनों के भीतर इस पासपोर्ट पते पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएं पासपोर्ट सेवा केंद्र दोस्ती पिनासल यूनिट नंबर जी-1 प्लॉट नंबर 3.7 नंबर 22 वागले, इंडस्ट्रियल एस्टेट ठाणे पश्चिम। सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए। बाद में प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

सही/-
श्रीमती गौरीनंद भगवान भोईर
पता - भगवान भोईर चाल, ए विग - 404, - 4 माला
सांगोदा रोड, रेलवे गेट के पास, मांडा टिटवाला,
मांडा टिटवाला (पश्चिम) कल्याण। जिला - ठाणे

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099